CBSE Class 6 Maths Notes Chapter 8 दशमलव

→ एक पूरी इकाई के भागों को जानने के लिए एक इकाई को खंड से दर्शाते हैं। एक खंड के 10 बराबर भाग करने पर प्रत्येक भाग उस इकाई का 110110 (एक दशांश) होगा। इसे हम 0.1 के रूप में लिख सकते हैं जो कि दशमलव निरूपण है। इसमें बिन्दु को हम दशमलव कहते हैं जो कि इकाई और दशांश स्थान के अंकों के बीच लगाया जाता है। 0.1 को शून्य दशमलवं एक पढ़ेंगे।

→ प्रत्येक भिन्न जिसका हर 10 हो, को दशमलव रूप में लिखा जा सकता है और इसके विपरीत प्रत्येक दशमलव संख्या को भी भिन्न रूप में लिखा जा सकता है।

→ एक खंड को 100 समान भागों में बाँटने पर प्रत्येक भाग उस इकाई का 11001100 (एक शतांश) भाग होता है। दशमलव रूप में इसे हम 0.01 लिखेंगे तथा शून्य दशमलव एक पढ़ेंगे।

→ प्रत्येक भिन्न जिसका हर 100 हो, को दशमलव रूप में लिखा जा सकता है और उसके विपरीत प्रत्येक दशमलव संख्या को भी भिन्न रूप में लिखा जा सकता है।

→ 72.32 एक दशमलव संख्या है। बिन्दु अर्थात् दशमलव के बाईं ओर स्थित अंक पूर्ण संख्या कहलाते हैं तथा दशमलव के दायीं ओर स्थित अंक. दशमलव भाग या भिन्नात्मक भाग कहलाता है। हम इसे बहत्तर दशमलव तीन दो पढ़ेंगे।

→ स्थानीय मान सारणी में जैसे-जैसे हम बाएं से दाएं की ओर जाते हैं गुणनखंड पिछले गुणक का 110110 हो जाता है। स्थानीय मान सारणी को शतांश स्थान से (सौवें का 110110) हजारवें स्थान तक बढ़ा सकते हैं।

→ दो दशमलव संख्याओं की आपस में तुलना की जा सकती है। तुलना संख्या के पूर्ण भाग से (जो कि दशमलव बिंदु की बाईं ओर के अंक होते हैं) शुरू की जाती है। यदि पूर्ण भाग समान हैं तो दशांश स्थान के अंकों की तुलना की जाती है और यदि ये भी समान हों तो अगले अंक को देखें, यह क्रम आगे बढ़ता रहता है।

→ दशमलव संख्याओं को जोड़ने तथा घटाने के लिए संख्याओं को इस प्रकार ऊपर-नीचे रखते हैं कि दशमलव का चिन्ह एक सीध में हो।